स्काइमेट के अनुसार मॉनसून 2018 होगा सामान्य; देश भर में 100% मॉनसून वर्षा के आसार

नई दिल्ली, भारत, अप्रैल 04, 2018: मौसम पूर्वानुमान और कृषि रिस्क सोल्यूशन के क्षेत्र में अग्रणी भारतीय कंपनी स्काईमेट ने 2018 के लिए मॉनसून पूर्वानुमान जारी कर दिया है। स्काइमेट के अनुमान के अनुसार मॉनसून 2018 में सामान्य वर्षा रिकॉर्ड की जाएगी। आगामी मॉनसून में दीर्घावधि औसत वर्षा के मुक़ाबले 100% (+/-5%) वर्षा हो सकती है। पूर्वानुमान के अनुसार जून-जुलाई-अगस्त-सितंबर के चार माह के मॉनसून सीज़न में सामान्य यानि 887 मिलीमीटर के आसपास वर्षा हो सकती है।

भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में स्काइमेट का अनुमान है कि प्रायद्वीपीय भारत के अधिकांश हिस्सों के साथ-साथ पूर्वोत्तर भारत में इस वर्ष जून, जुलाई, अगस्त और सितंबर की चार माह के मॉनसून सीज़न में कम वर्षा की चुनौती होगी। हालांकि मॉनसून के शुरुआती महीने जून और आखिरी माह सितंबर में देश के अधिकांश हिस्सों में अच्छी मॉनसून वर्षा होने की संभावना है। दूसरी ओर जुलाई और अगस्त में अपेक्षाकृत वर्षा कुछ कम हो सकती है। इसमें अगस्त में जुलाई से भी कम बारिश होने का अनुमान है। हालांकि यह भी सामान्य के आसपास होगी। स्काइमेट ने पूर्वी भारत विशेषकर बिहार, झारखंड, ओड़ीशा और पश्चिम बंगाल में मॉनसून 2018 में कुल मिलाकर अच्छी वर्षा होने की संभावना जताई है।

स्काइमेट के सीईओ का कहना है कि "ला नीना का कमजोर होना और प्रशांत महासागर का गर्म होना सामान्य से अधिक बारिश की संभावना को खारिज करते हैं। इसके अलावा नीनो इंडेक्स और तटस्थ आईओडी के भी मॉनसून के प्रदर्शन पर किसी तरह के नकारात्मक प्रभाव की आशंका नहीं है, इसलिए मॉनसून 2018 के सामान्य रहने के आसार हैं"।

इस समय प्रशांत महासागर में ला नीना कमजोर स्थिति में है और संभावना है कि मई तक ला नीना तटस्थ स्थिति में आ जाएगा। मई-जून-जुलाई के तीन महीनों का नीनो इंडेक्स संकेत कर रहा है कि 60% संभावना तटस्थ रहने की है, 24% संभावना ला नीना की है और अल-नीनो के उभरने के आसार 14% हैं।

इंडियन ओशन डायपोल (IOD) अभी नकारात्मक चरण में लेकिन तटस्थ सीमा के भीतर है। हालांकि वेदर मॉडल संकेत कर रहे हैं कि मॉनसून के दूसरे चरण में IOD सामान्य के आसपास आ जाएगा। इसके मैडेन जूलियन ओशिलेशन यानि MJO इस समय सक्रिय स्थिति में नहीं है। इसके अलावा इसकी स्थिर ना रहने की प्रवृति के चलते मॉनसून पर इसके किसी प्रभाव के बारे अभी कुछ भी कहना जल्दबाज़ी होगा।

इस समय प्री-मॉनसून सीज़न जारी है। भारत में प्री-मॉनसून अवधि में अधिक गर्मी को भी बेहतर मॉनसून वर्षा के संकेतर के तौर पर समझा जाता है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार इस बार भारत में प्री-मॉनसून सीज़न में कम वर्षा की संभावना है जिससे मॉनसून के आगमन से पहले तक तेज़ गर्मी होगी।

स्काइमेट वेदर के अनुसार जून, जुलाई, अगस्त, सितंबर में मॉनसून वर्षा की संभावना इस प्रकार है:

• 5% संभावना अत्यधिक बारिश की है (दीर्घावधि औसत के मुक़ाबले 110% से अधिक वर्षा को अत्यधिक माना जाता है)

• 20% संभावना सामान्य से अधिक बारिश की है (दीर्घावधि औसत के मुक़ाबले 105% से 110% वर्षा को अधिक माना जाता है)

• 55% संभावना सामान्य बारिश की है (दीर्घावधि औसत के मुक़ाबले 96% से 104% वर्षा को सामान्य माना जाता है)

• 20% संभावना सामान्य से कम बारिश की है (दीर्घावधि औसत के मुक़ाबले 90% से 95% वर्षा को सामान्य से कम माना जाता है)

• 0% संभावना सूखे की है (मॉनसून सीजन में 90% से कम बारिश होने पर सूखा घोषित किया जाता है)

मॉनसून 2018 में प्रति माह वर्षा की संभावना इस प्रकार है:

जून- दीर्घावधि औसत के मुक़ाबले 111% बारिश हो सकती है (जून में औसतन 164 मिमी वर्षा होती है)

- 30% संभावना सामान्य बारिश की है।

- 60% संभावना सामान्य से अधिक बारिश की है।
- 10% संभावना सामान्य से कम बारिश की है।

जुलाई– दीर्घावधि औसत के मुक़ाबले 97% बारिश हो सकती है (जुलाई में औसतन 289 मिमी वर्षा होती है)

- 55% संभावना सामान्य बारिश की है।
- 15% संभावना सामान्य से अधिक बारिश की है।
- 30% संभावना सामान्य से कम बारिश की है।

अगस्त– दीर्घावधि औसत के मुक़ाबले 96% बारिश हो सकती है (अगस्त में औसतन 261 मिमी वर्षा होती है)

- 55% संभावना सामान्य बारिश की है
- 10% संभावना सामान्य से अधिक बारिश की है
- 35% संभावना सामान्य से कम बारिश की है

सितम्बर– दीर्घावधि औसत के मुक़ाबले 101% बारिश हो सकती है (सितम्बर में औसतन 173 मिमी वर्षा होती है)

- 60% संभावना सामान्य बारिश की है
- 20% संभावना सामान्य से अधिक बारिश की है
- 20% संभावना सामान्य से कम बारिश की है

स्काईमेट, मौसम पूर्वानुमान और कृषि रिस्क सोल्यूशन के क्षेत्र में अग्रणी भारतीय कंपनी है। स्काइमेट को कृषि क्षेत्र में आंकलन, पूर्वानुमान और मौसम के जोखिम कम करने में विशेषज्ञता है। स्काईमेट पिछले 15 वर्षों से मीडिया, बीमा और कृषि क्षेत्र को मौसम से जुड़े आंकड़ों का विश्लेषण और मौसम से जुड़े आंकड़े उपलब्ध करा रहा है।

स्काइमेट के प्रमुख क्लाइंट में से हैं महाराष्ट्र सरकार, गुजरात सरकार, नागालैंड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भारतीय स्टेट बैंक, USAID, रिलायंस इन्फ्रा, विश्व बैंक, एचडीएफ़सी एर्गो, आईएफ़सी, भारतीय कृषि बीमा निगम (एआईसीआईएल), आईसीआईसीआई लॉमबार्ड, द हिंदुस्तान टाइम्स, द हिन्दू और द टेलीग्राफ। इसके अलावा ऐग-टेक वेंचर कैपिटलिस्ट ओमनीवोर पार्टनर्स, इंश्यूरेसीलिएन्स इनवेस्टमेंट फंड और डीएमजी:इन्फोर्मेशन भी स्काइमेट की साझेदार हैं।

Skymet Weather Services Private Limited

Plot no 10 & 11, Prius Heights, Sector 125, Noida – 201303 (India)

Tel: +91 120 4094505 Email: monsoon@skymetweather.com